



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 09 मार्च, 2026

जारी करने का समय: 1330 घंटे

- विषय: i) जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में अगले दो दिनों तक, यानी 10 मार्च तक, दिन का तापमान सामान्य से 5-7°C अधिक रहने की संभावना है; उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों, गुजरात और मध्य प्रदेश में अगले तीन दिनों तक, यानी 11 मार्च तक, तापमान सामान्य से 4-6°C अधिक रहने की संभावना है।
- ii) एक नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में 15 मार्च तक छिटपुट से लेकर व्यापक वर्षा/हिमपात होने की संभावना है। साथ ही, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में 10 से 12 मार्च के दौरान छिटपुट गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि और 10 और 11 मार्च को जम्मू-कश्मीर में छिटपुट भारी वर्षा हो सकती है।

आज, 09 मार्च, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति बनी रही और विदर्भ के कुछ इलाकों में भी उष्ण लहर की स्थिति बनी रही।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- मराठवाड़ा, पश्चिमी राजस्थान और विदर्भ के कई स्थानों पर अधिकतम तापमान 38-41°C के बीच रहा; गुजरात और रायलसीमा के कुछ स्थानों पर; पूर्वी राजस्थान, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली के कुछ स्थानों पर; मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश के कई स्थानों पर 35-38°C; पश्चिमी मध्य प्रदेश, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और केरल के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति रही। कल, सबसे अधिक अधिकतम तापमान 40.9°C अकोला (विदर्भ, महाराष्ट्र) में दर्ज किया गया।
- हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पश्चिमी राजस्थान में कई स्थानों पर अधिकतम तापमान/दिन का तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) रहा; अरुणाचल प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, सौराष्ट्र और कच्छ, पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर; असम और मेघालय, पूर्वी मध्य प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, पंजाब, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर; विदर्भ में कई स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C); मराठवाड़ा में कुछ स्थानों पर; पूर्वी उत्तर प्रदेश, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में छिटपुट स्थानों पर; छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में कुछ स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C); बिहार, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, केरल और माहे, ओडिशा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना में छिटपुट स्थानों पर। और भारत के शेष हिस्सों में स्थिति लगभग सामान्य है।
- हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम और मेघालय, मध्य महाराष्ट्र में न्यूनतम/रात्रि का तापमान 14-18°C के बीच रहा। गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तमिलनाडु, केरल और माहे, और लक्षद्वीप को छोड़कर देश के शेष मैदानी क्षेत्रों में यह 18-

22°C के बीच रहा, जहां यह 22-27°C के बीच था। भारत के मैदानी क्षेत्रों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 13.4°C राजगढ़ (मध्य प्रदेश) में दर्ज किया गया।

- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तरी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में न्यूनतम/रात्रि का तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) रहा। हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तरी मध्य प्रदेश, गुजरात राज्य, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, असम और मेघालय में तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; दक्षिणी राजस्थान, दक्षिणी मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तमिलनाडु में तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से कम (-3.0°C से -1.6°C) रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- दक्षिणी बांग्लादेश और आसपास के इलाकों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- उत्तरपूर्वी असम और उससे सटे नागालैंड में भी निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- बिहार से मराठवाड़ा तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक गर्त फैला हुआ है।
- दक्षिणी तमिलनाडु से तटीय कर्नाटक तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक और गर्त फैला हुआ है।
- मध्य क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में पश्चिमी विक्षोभ एक गर्त के रूप में स्थित है, जो लगभग 48° पूर्व देशांतर के अनुदिश और 28° उत्तर अक्षांश के उत्तर में है।
- जम्मू और कश्मीर में उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम चल रही है, जिसकी मुख्य हवाएँ समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर लगभग 85 समुद्री मील की गति से चलती हैं।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

- जम्मू-कश्मीर में 9 से 12 मार्च के दौरान छिटपुट हल्की बारिश/बर्फबारी की संभावना है, जो बाद में छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर तक मध्यम से मध्यम बारिश/बर्फबारी में बदल सकती है। 13 से 15 मार्च के दौरान यह घटकर छिटपुट हल्की बारिश/बर्फबारी में बदल सकती है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी 9 से 15 मार्च के दौरान छिटपुट से लेकर छिटपुट हल्की बारिश/बर्फबारी की संभावना है। जम्मू-कश्मीर में 9 से 12 मार्च के दौरान और हिमाचल प्रदेश में 11, 12, 14 और 15 मार्च को छिटपुट गरज, बिजली और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफतार वाली तेज हवाएं चलने की संभावना है।
- 10 और 11 मार्च को जम्मू-कश्मीर में कुछ स्थानों पर भारी बारिश/बर्फबारी की संभावना है।
- 10 मार्च को जम्मू-कश्मीर में और 11 और 12 मार्च को हिमाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की प्रबल संभावना है।
- 9 मार्च को ओडिशा में, 9 से 13 मार्च के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 9 और 10 मार्च को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, 9 से 11 मार्च के दौरान बिहार और झारखंड में, और 9 से 15 मार्च के दौरान अरुणाचल प्रदेश में, 10 से 14 मार्च के दौरान असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, 9 मार्च को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में, और 9 और 10 मार्च को केरल और माहे में गरज और बिजली के साथ छिटपुट हल्की/मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

उष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- हिमाचल प्रदेश में 9 और 10 मार्च को कुछ इलाकों में भीषण उष्ण लहर की संभावना है।
- राजस्थान, विदर्भ और गुजरात में 9 से 11 मार्च तक तथा उत्तरी कोंकण में भी 9 और 10 मार्च को उष्ण लहर की संभावना है।
- कोंकण में 9 मार्च को, मध्य महाराष्ट्र में 9 और 10 मार्च को, मराठवाड़ा में 9 से 11 मार्च तक और गुजरात के तटीय क्षेत्रों में 9 से 13 मार्च तक गर्म और आर्द्र मौसम की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में अगले 3 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 4 दिनों में इसमें 3-4°C की क्रमिक गिरावट आएगी। उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में भी अगले 3 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 4 दिनों में इसमें 2-3°C की क्रमिक गिरावट आएगी। उत्तर प्रदेश को छोड़कर, जहां अगले 4 दिनों में अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और उसके बाद के 3 दिनों में इसमें 2-3°C की क्रमिक गिरावट आएगी। अतः, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में अगले 2 दिनों तक यानी 10 मार्च तक दिन का तापमान सामान्य से 5-7°C अधिक रहने की संभावना है; उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों, गुजरात और मध्य प्रदेश में अगले 3 दिनों तक यानी 11 मार्च तक दिन का तापमान सामान्य से 4-6°C अधिक रहने की संभावना है।
- विदर्भ और छत्तीसगढ़ में अगले 4 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 3 दिनों में इसमें 2-3°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- पूर्वोत्तर भारत में अगले 4 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 3 दिनों में इसमें 3-4°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- महाराष्ट्र में अगले 3 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और उसके बाद के 4 दिनों में इसमें 2-3°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- गुजरात राज्य में अगले 3 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 4 दिनों में इसमें 2-3°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- पूर्वी और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में अगले 3 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 4 दिनों में इसमें 2-3°C की क्रमिक वृद्धि आएगी। दक्षिणपूर्वी प्रायद्वीपीय भारत में अगले 5 दिनों के दौरान दिन का तापमान सामान्य से 2-3°C अधिक रहने की संभावना है।
- देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 9 मार्च से 14 मार्च, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

बंगाल की खाड़ी: कोई चेतावनी नहीं।

अरब सागर: दक्षिण गुजरात और उससे सटे उत्तरी गुजरात के तटों के आसपास और उससे दूर के क्षेत्र में न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 09 से 12 मार्च 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

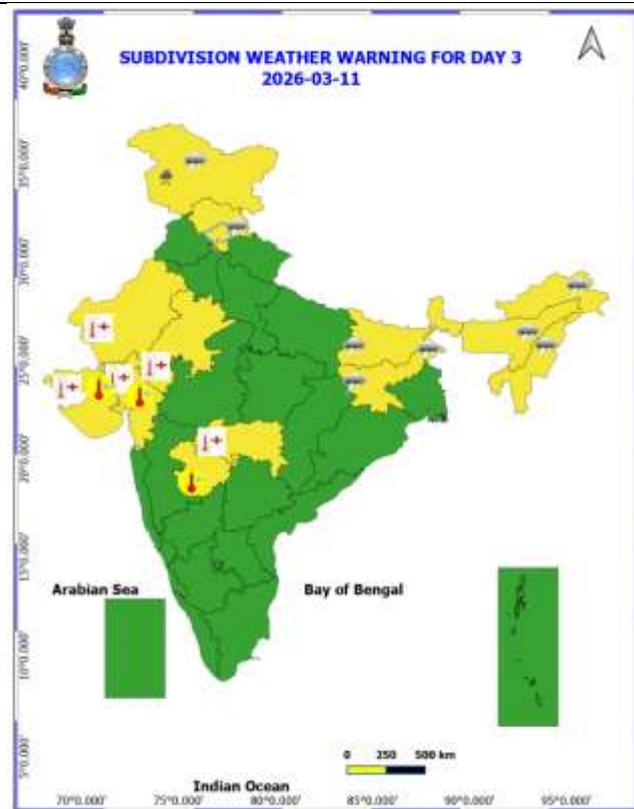
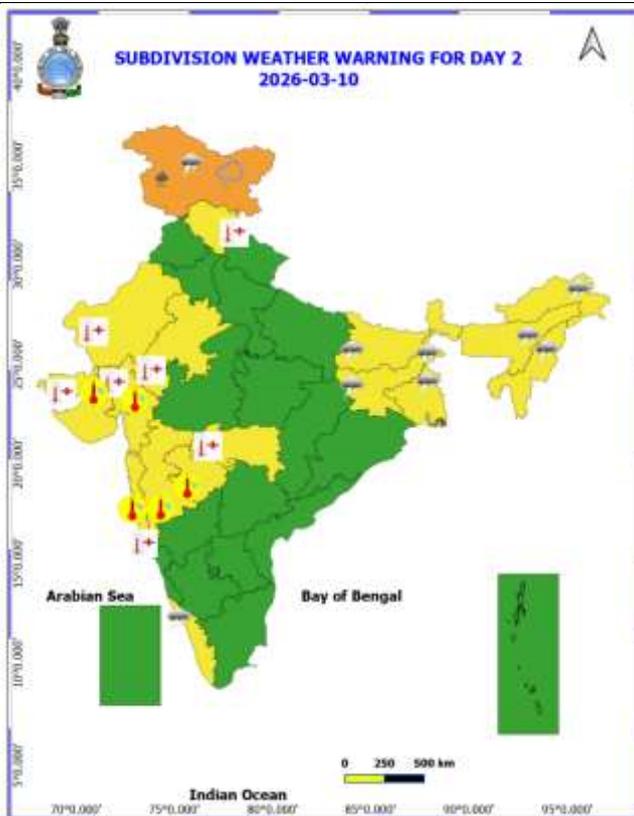
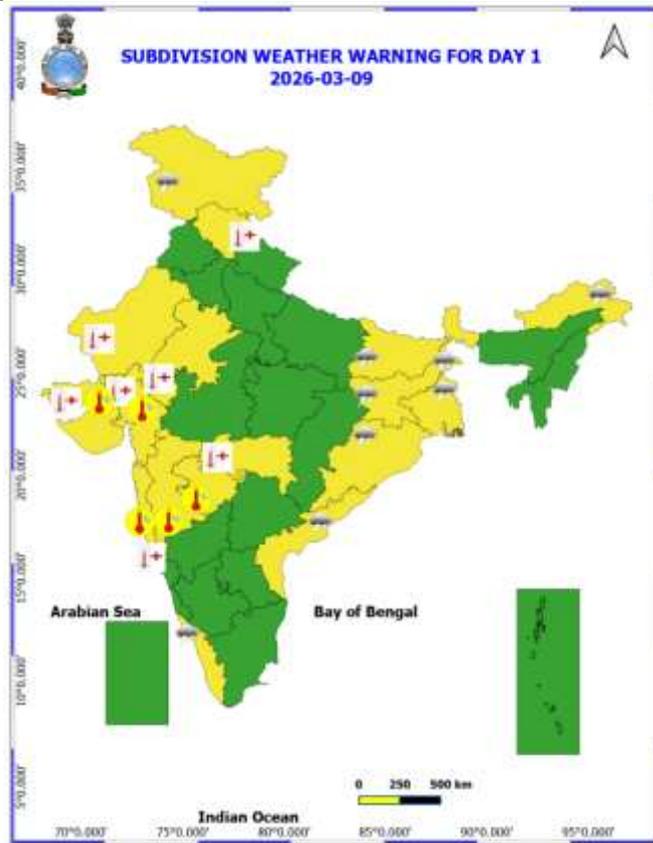
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

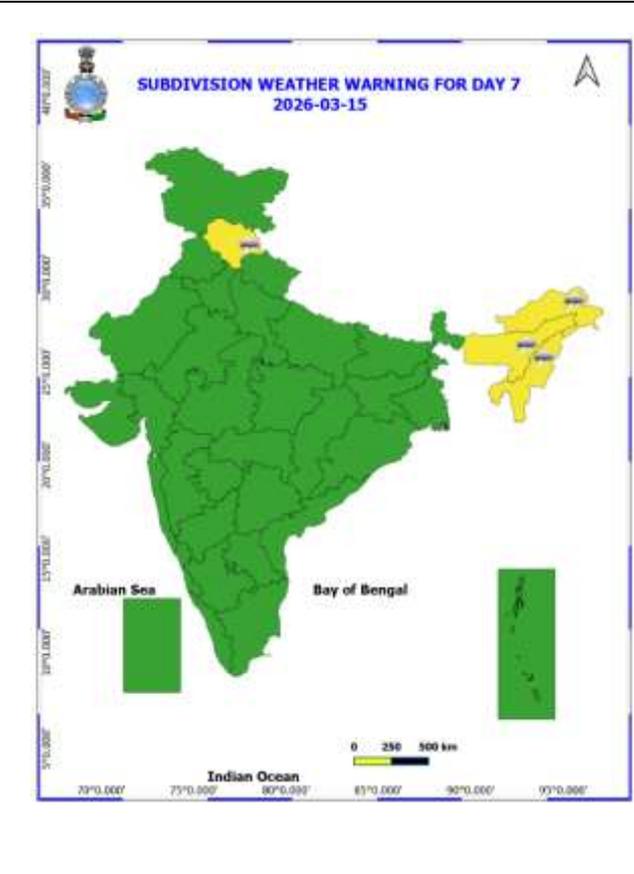
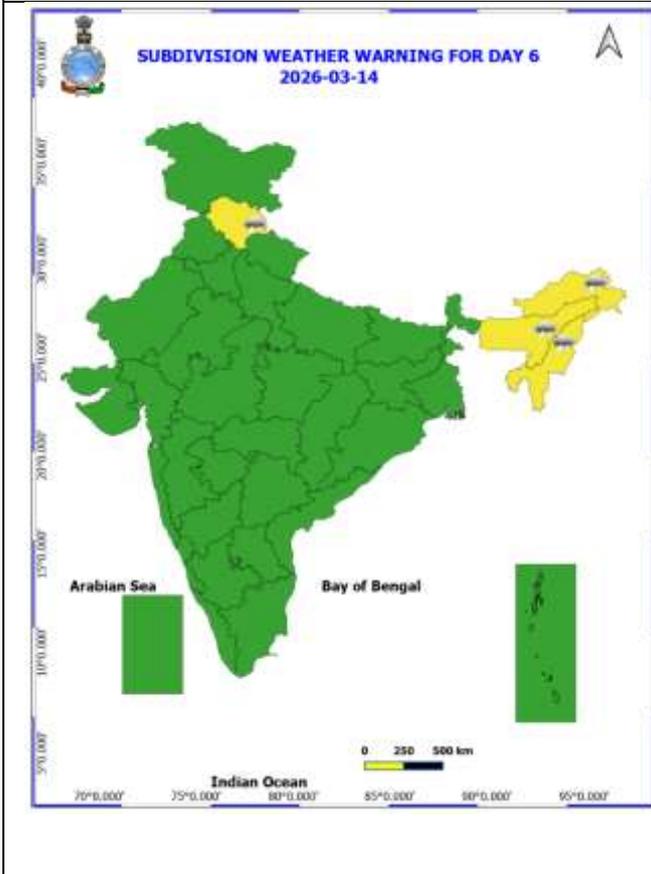
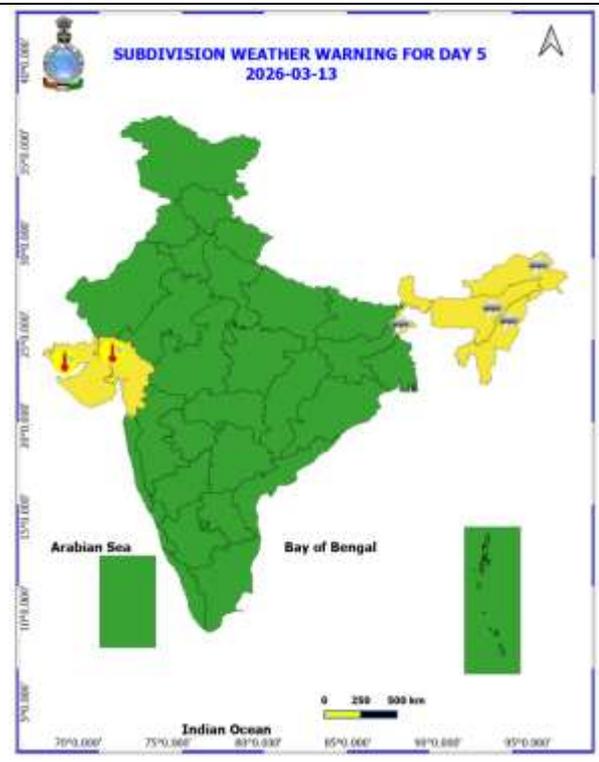
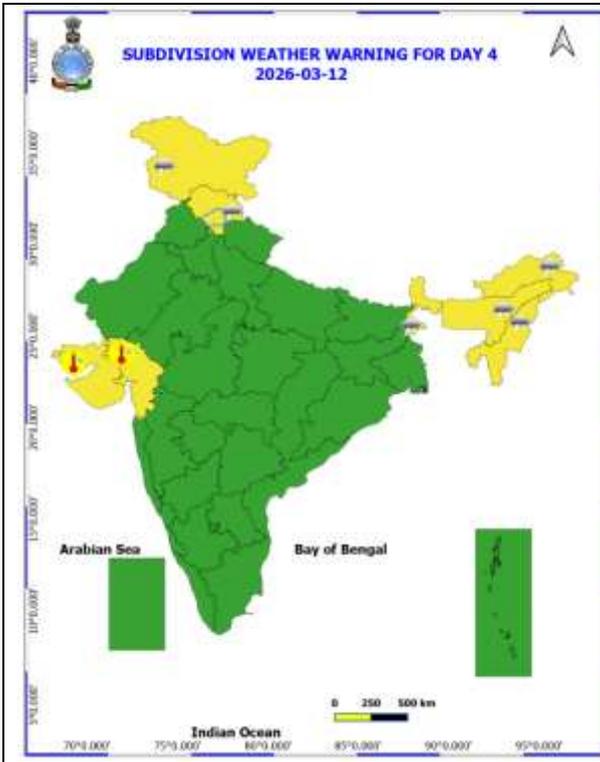
जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	9- Mar	10- Mar	11- Mar	12- Mar	13- Mar	14- Mar	15- Mar
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	ISOL	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
7	ODISHA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
9	BIHAR	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	SCT	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

09 से 12 मार्च 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का अनुमान

पिछला मौसम:

दिल्ली में पिछले 24 घंटों में कम से कम और ज्यादा से ज्यादा तापमान में 1-3°C की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में ज्यादा से ज्यादा तापमान 34-39°C और कम से कम तापमान 18-19°C के बीच रहा। दिल्ली में कुछ जगहों पर कम से कम तापमान नॉर्मल से काफी ज्यादा (5.1°C या उससे ज्यादा) और कई जगहों पर नॉर्मल से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) है। पूरी दिल्ली में ज्यादा से ज्यादा तापमान नॉर्मल से काफी ज्यादा (5.1°C या उससे ज्यादा) रहा। पिछले 24 घंटों में आसमान ज्यादातर साफ रहा और पश्चिम दिशा से 15 kmph की रफ्तार से लगातार हवा चली। आज दोपहर में इस इलाके में आसमान में हल्के बादल छाए रहे और पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से 16 kmph की रफ्तार से हवा चली।

मौसम का अनुमान:

09.03.2026: आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में ज्यादा से ज्यादा तापमान 34°C से 36°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर ज्यादा से ज्यादा तापमान नॉर्मल से काफी ज्यादा (5.0°C या उससे ज्यादा) रहेगा। दोपहर के समय हवा की रफ्तार उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph तक पहुँचने की संभावना है। शाम और रात के समय हवा की रफ्तार धीरे-धीरे कम होकर उत्तर-पूर्व दिशा से 08 kmph से कम हो जाएगी।

10.03.2026: आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में ज्यादा से ज्यादा और कम से कम तापमान एक के बाद एक 35°C से 37°C और 18°C से 20°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर कम से कम तापमान नॉर्मल से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) और कुछ जगहों पर नॉर्मल से काफी ज्यादा (5.0°C या उससे ज्यादा) रहेगा। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर ज्यादा से ज्यादा टेम्परेचर नॉर्मल से काफी ज्यादा (5.0°C या उससे ज्यादा) रहेगा। सुबह के समय हवा की रफ्तार पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से 06 kmph से कम रहने की संभावना है। दोपहर में हवा की रफ्तार उत्तर-उत्तर-पूर्व दिशा से 10 kmph तक बढ़ जाएगी। शाम और रात में हवा की रफ्तार धीरे-धीरे कम होकर दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम दिशा से 06 kmph से कम हो जाएगी।

11.03.2026: आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में ज्यादा से ज्यादा और कम से कम टेम्परेचर एक के बाद एक 37°C से 39°C और 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर कम से कम टेम्परेचर नॉर्मल से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) और कुछ जगहों पर नॉर्मल से काफी ज्यादा (5.0°C या उससे ज्यादा) रहेगा। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर ज्यादा से ज्यादा टेम्परेचर नॉर्मल से काफी ज्यादा (5.0°C या उससे ज्यादा) रहेगा। सुबह के समय हवा की रफ्तार 05 kmph तक पहुँचकर, ज्यादातर सरफेस हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की रफ्तार उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 kmph तक ही रहेगी। शाम और रात के समय हवा की रफ्तार धीरे-धीरे कम होकर दक्षिण दिशा से 06 kmph से कम हो जाएगी।

12.03.2026: आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में ज्यादा से ज्यादा और कम से कम टेम्परेचर एक के बाद एक 35°C से 37°C और 16°C से 18°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादा से ज्यादा टेम्परेचर नॉर्मल से काफी ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और कुछ जगहों पर नॉर्मल से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। दिल्ली में ज्यादा से ज्यादा टेम्परेचर नॉर्मल से काफी ज्यादा (5.0°C या उससे ज्यादा) रहेगा। सुबह के समय हवा की मुख्य रफ्तार पश्चिम दिशा से 05 kmph तक रहने की संभावना है। दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की रफ्तार बढ़कर 15 kmph हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की रफ्तार धीरे-धीरे कम होकर 10 kmph से कम हो जाएगी।

बिजली/तेज और तेज हवाओं और ओलावृष्टि के साथ अलग-अलग गरज के कारण प्रभाव की उम्मीद और कार्रवाई का सुझाव दिया गया

- ❖ जम्मू-कश्मीर में 10 मार्च और हिमाचल प्रदेश में 11 और 12 मार्च को छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि की प्रबल संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर में 9 से 12 मार्च के दौरान, हिमाचल प्रदेश में 11, 12, 14 और 15 मार्च को, ओडिशा में 9 मार्च को, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 9 से 13 मार्च के दौरान, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 9 और 10 मार्च को, और बिहार और झारखंड में 9 से 11 मार्च के दौरान छिटपुट गरज, बिजली और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- पेड़ों की शाखाओं का टूटना, बड़े-बड़े पेड़ों का उखड़ना। पेड़ों से बड़ी-बड़ी सूखी टहनियाँ उड़ना। खड़ी फसलों को नुकसान।
- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।
- शाखाओं के टूटने के कारण बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।
- तेज हवा/ओलावृष्टि से बागान, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ओलावृष्टि से खुले स्थानों पर लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर संरचनाओं को आंशिक नुकसान।
- कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।
- ढीली वस्तुएँ उड़ सकती हैं।

सुझाई गई कार्रवाई:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे खराब होती परिस्थितियों के लिए मौसम पर नज़र रखें और तदनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और यदि संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सहारे न झुकें।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें।
- तुरंत जल निकायों से बाहर निकलें।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

उष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- हिमाचल प्रदेश में 9 और 10 मार्च को कुछ इलाकों में भीषण उष्ण लहर की संभावना है।
- राजस्थान, विदर्भ और गुजरात में 9 से 11 मार्च के दौरान तथा उत्तरी कोंकण में 9 और 10 मार्च को कुछ इलाकों में उष्ण लहर की संभावना है।

पीला चेतावनी वाले क्षेत्र:

- सामान्य जनता के लिए मध्यम तापमान और गर्मी सहनीय है, लेकिन शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से ग्रसित लोगों जैसे संवेदनशील व्यक्तियों के लिए मध्यम स्तर की स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हो सकती हैं।
- धूप में निकलने से बचें।
- हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढकें, कपड़े, टोपी या छाते का उपयोग करें।

उच्च तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- वाष्पोत्सर्जन में वृद्धि के कारण मृदा में नमी की कमी तथा फसलों की वृद्धि, बीज विकास और उपज पर प्रतिकूल प्रभाव।
- फसलों की त्वरित परिपक्वता, दानों के भराव की अवधि में कमी और सिकुड़े हुए दाने का बनना, परिणामस्वरूप गेहूं की संभावित उपज में कमी।
- अनाज वाली और अन्य रबी फसलों (जैसे मक्का, ज्वार आदि) में वानस्पतिक से प्रजनन अवस्था के समय नमी तनाव में वृद्धि एवं दानों के भराव में संभावित कमी।
- तिलहनी तथा दलहनी फसलों में फूल झड़ना, फलियों के बनने में विकृति, समय-पूर्व फलियों का सूखना तथा बीज के आकार और वजन में कमी।
- कंद वाली फसलों जैसे आलू इत्यादि में कंद का फुलाव कम होना और पौधे की वृद्धावस्था का शीघ्र आगमन।
- सब्जी वाली फसलों जैसे टमाटर, शिमला मिर्च, पता गोभी और फूलगोभी में फूल झड़ना, फलों का धूप से जलना तथा बिक्री योग्य उपज में कमी।
- बागवानी फसलों (जैसे आम, सेब, संतरा आदि) में फूलों का झड़ना, फल सेटिंग में कमी, समय से पहले फलों का गिर जाना, फलों का धूप से जलना, फलों के आकार में गिरावट, असमान रूप से पकना, स्पंजी टिशू जैसी विकृतियाँ (विशेषकर आम में) तथा कुल उपज और गुणवत्ता में कमी।
- फसलों की जल आवश्यकता में वृद्धि तथा सीमित सिंचाई की स्थिति में जल तनाव का अधिक जोखिम।
- पशुधन तथा मुर्गीपालन में चारे का सेवन में कमी, दूध और अंडा उत्पादन में कमी के साथ-साथ जल आवश्यकता में वृद्धि।

उच्च तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **जम्मू और कश्मीर** में, गेहूं, सरसों और सब्जियों में हल्की सिंचाई करें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, गेहूं और जल्दी बोए गए सब्जियों में हल्की सिंचाई करें। शिमला मिर्च और टमाटर के लिए पॉलीहाउस में हवा आने-जाने की समुचित व्यवस्था बनाए रखें।
- **पंजाब** में, सरसों, गोभी और आलू में सिंचाई करके मिट्टी में आवश्यक नमी बनाए रखें। गेहूं में दाना भरने की अवस्था में आवश्यकतानुसार सिंचाई प्रदान करें।
- **हरियाणा** में, सरसों और चने में फूल आने और फली बनने के समय हल्की सिंचाई करें। गेहूं में दाना भरने की अवस्था के दौरान मृदा में पर्याप्त नमी बनाए रखें।
- **उत्तराखंड** में, गेहूं, मसूर, चना और सरसों में संवेदनशील फसल विकास चरणों के दौरान (गेहूं में फूल आना और दाने भरना, सरसों और चने में फली बनना वगैरह) हल्की और बार-बार सिंचाई करें।
- **राजस्थान** में, जीरा, इसबगोल, सरसों तथा चने में सुबह या शाम के समय सुरक्षात्मक सिंचाई प्रदान करें ताकि ताप तनाव कम हो।
- **उत्तर प्रदेश** में, गेहूं (दाना भरने की अवस्था), सरसों और चने की फसलों में गर्मी के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए सुबह या शाम के समय हल्की सिंचाई करें।
- **गुजरात** में, गेहूं (दाना भरने की अवस्था), चना और जीरा में हल्की सिंचाई करें।
- **महाराष्ट्र** के, कोंकण क्षेत्र में, आम में समय से पहले फल गिरने और धूप से झुलसने से बचाने के लिए नियमित अंतराल पर सिंचाई करें तथा फलों को धूप से झुलसने (सन स्कॉल्ड) से बचाने के लिए कटाई से पहले अखबार के थैलों में पैक (पूर्व-कटाई बैगिंग) करें। **विदर्भ** क्षेत्र में, देर से बोई गई रबी फसलों जैसे गेहूं, मूंगफली, तिल, कुसुम, ज्वार, बागानों और सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें तथा वाष्पीकरण से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए पुआल मलच का उपयोग करें।
- **मध्य प्रदेश** में, गेहूं और चने की फसल के महत्वपूर्ण चरणों में हल्की और नियमित सिंचाई करें। पकी हुई सरसों की कटाई सुबह/शाम के समय पूरी करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

- **छत्तीसगढ़** में, गेहूं, चना, मसूर और सरसों जैसी खड़ी फसलों में हल्की सिंचाई नियमित अंतराल पर करते रहें।
- **अरुणाचल प्रदेश** में, शीतकालीन सब्जियों (पत्तागोभी, फूलगोभी, टमाटर) में सुबह या शाम के समय नियमित सिंचाई करें। पकी हुई सरसों की फसल की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- **असम** में, बोरो धान के खेतों में इष्टतम जल स्तर (2-5 सेमी) बनाए रखें।
- **आंध्र प्रदेश** में, रबी मक्का, मूंगफली और दलहनी फसलों में नमी की कमी से बचाने के लिए हल्की सिंचाई करें। शुष्क और धूप वाले मौसम में खड़ी रबी फसलों में मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए मल्लिचंग करें या हल्की सिंचाई करें। धान में टिलरिंग (फूटाव) अवस्था के दौरान मुख्य खेत में लगभग 5 सेमी पानी की परत बनाए रखें।
- खेतों में आवश्यक नमी बनाए रखने हेतु मल्लिचंग, मेंडबंदी करें तथा अनावश्यक इंटरकल्टिवेशन से बचें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन

- पशुओं को स्वच्छ, साफ-सुथरा एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं और छाया का इंतजाम करें।
- उच्च तापमान के प्रभाव को कम करने के लिए पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढक दें।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

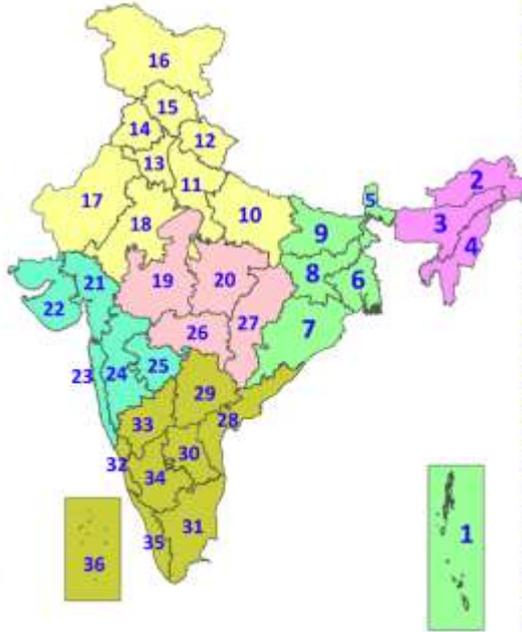
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)